

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, यशायाह, सत्र 21, ईसा। 42-43

© जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

यह यशायाह की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. जॉन ओसवाल्ट हैं। यह सत्र संख्या 21, यशायाह अध्याय 42 और 43 है।

पिता, हमारे बीच आपकी उपस्थिति के लिए हम आपको धन्यवाद देते हैं। हमारे साथ संवाद करने की आपकी इच्छा के लिए हम आपको धन्यवाद देते हैं। हम आपको धन्यवाद देते हैं, भगवान, कि आपने अपने प्रेरित शब्द के माध्यम से ऐसा किया है और आप इसे फिर से करने का इरादा रखते हैं क्योंकि आपकी पवित्र आत्मा आपके शब्द को हमारे दिलों पर लागू करती है। आज शाम हमारी मदद करें और हम आपको धन्यवाद देंगे। आपके नाम पर, आमीन।

ठीक है, जब हम पिछले सप्ताह रुके थे, तो हम कमोबेश अध्याय 41 के मध्य में थे। हमने देखा कि यह श्लोक 1 से 7 में बेबीलोन के विजेता साइरस के आने और राष्ट्रों की घोषणा के साथ शुरू होता है। उस तथ्य से भयभीत होकर मूर्तियाँ बनाने के लिए दौड़ पड़े।

पद 8 में, यद्यपि, यहोवा बोलता है और कहता है, परन्तु हे मेरे दास इस्राएल, तू याकूब है, जिसे मैं ने चुना है, और अब्राहम की संतान, हे मेरे मित्र, तू जिसे मैं ने पृथ्वी की दूर दूर से ले आया, और दूर दूर से बुलाया है। कोने तुम से कहते हैं, तुम मेरे दास हो, मैं ने तुम्हें चुन लिया है, त्यागा नहीं। यहां जो प्रश्न मैंने पूछा वह यह था कि क्या निर्वासन का मतलब यह नहीं था कि भगवान ने उन्हें त्याग दिया था? मुझे कुछ बुदबुदाते हुए 'नहीं' सुनाई देते हैं। क्यों नहीं? क्यों नहीं? क्यों नहीं? ठीक है, वह उन्हें वापस लाना चाहता था।

हमने पूरी किताब में इस बारे में बात की है कि निर्णय कभी भी ईश्वर का अंतिम निर्णय नहीं होता है। निर्णय कभी भी ईश्वर का अंतिम निर्णय नहीं होता। इसलिए, निर्वासन का उद्देश्य उन्हें नष्ट करना नहीं था, चाहे उन्होंने कुछ भी सोचा हो।

बल्कि, निर्वासन का इरादा था, यदि आप अध्याय 4 तक वापस जाते हैं, तो वह उन्हें जलाने वाली हवा, आग की हवा से परिष्कृत करने जा रहा है। अतः निर्वासन का उद्देश्य उन्हें नष्ट करना नहीं है, निर्वासन का उद्देश्य उन्हें परिष्कृत करना है। आपको याद होगा कि क्या हुआ था जब यशायाह मंदिर के फर्श पर लेट गया और कहा, मैं नष्ट हो गया हूं, मैं विलीन हो गया हूं।

आगे क्या हुआ? हाँ, देवदूत आया था, गुलाब लेकर नहीं, उसके होठों पर पवित्र जल छिड़कने। वह वेदी से जलता हुआ कोयला लेकर आया और मुझे पूरा विश्वास है कि यशायाह ने यह नहीं कहा, ओह, इसे दोबारा करो, यह बहुत अच्छा लगता है। मुझे लगता है वह रोया।

मुझे लगता है उसने कहा, यह जलता है। लेकिन भगवान का इरादा उसे नष्ट करने का नहीं था, भगवान का इरादा उसे परिष्कृत करने का था। अब फिर से देखें कि श्लोक 8 में भगवान उनके बारे में क्या कहते हैं। वे कौन हैं? मेरा सेवक, मेरा चुना हुआ, अब्राहीम की संतान, मेरा मित्र।

और वह इसे पद 9 में फिर से दोहराता है। तुम मेरे सेवक हो; मैंने तुम्हें चुना है, त्यागा नहीं। अब, क्या किसी को याद है कि मैंने इस खंड, अध्याय 40 से 55 को क्या लेबल किया था? अनुग्रह, मोक्ष का हेतु और साधन। अब, सेवकाई का उद्देश्य क्या है? अध्याय 39 के अंत में हम जो प्रश्न पूछते हैं वह यह है कि संकट के समय विश्वास को केवल एक बार का सौदा नहीं बल्कि जीवन का एक तरीका बनाने के लिए हमें क्या प्रेरित कर सकता है? और मैं आपको सुझाव दे रहा हूँ कि इसका उत्तर अनुग्रह है।

भगवान इन लोगों पर किस प्रकार की कृपा प्रदर्शित कर रहे हैं। वे सोचते हैं कि उन्हें त्याग दिया गया है और भगवान कहते हैं, नहीं, आप चुने हुए हैं। वे सोचते हैं कि परमेश्वर उन्हें नष्ट करना चाहता है और परमेश्वर कहते हैं, नहीं, नहीं, तुम मेरे सेवक हो।

तुम्हें त्यागने की बजाय, मैंने तुम्हें अपना विशेष सेवक बनने के लिए चुना है। तो फिर श्लोक 10 में इसका क्या अर्थ है? डरो न किस बात का? मैं तुम्हारे साथ हूँ। और फिर श्लोक 13 में, किस बात से डरो मत? मैं आपकी मदद करूँगा।

और हमने पिछले सप्ताह इस बारे में बात की थी। आश्चर्य की बात है कि भगवान यह नहीं कहते, बस बैठो और चुप रहो और मैं तुम्हारे लिए यह करूँगा। न ही वह यह कहता है, ठीक है, जब आप ऐसा करेंगे तो मैं यहां बैठूँगा और आलोचना करूँगा।

नहीं, वह कहता है, मैं तुम्हारी मदद करूँगा। मैं चाहता हूँ कि आप इसमें शामिल हों, लेकिन अंत में, मैं इसे पूरा करूँगा। अब, पद 14 में, हमारे पास इस्राएल के पवित्र की पहली घटना है।

यह फिर से श्लोक 16 में और फिर श्लोक 20 में आता है। तो, यहाँ तीन बार, वह वाक्यांश, इज़राइल का पवित्र, आता है। और मैं बस आपका ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूँ, इससे पहले कि हम आपसे अंततः पूछें, आपको क्या लगता है कि यहां क्या हो रहा है? वह वाक्यांश क्यों दोहराया गया? इस सन्दर्भ में पवित्र पर जोर क्यों दिया जाए और इज़राइल के पवित्र पर क्यों? ठीक है, अब छंद 17 से 11 तक, क्षमा करें, 11 से 16 तक, भगवान राष्ट्रों के संबंध में उनके बारे में दो बातें कहते हैं।

तो, नंबर एक, श्लोक 11, 12, और 13 में राष्ट्रों के बारे में क्या? यह क्या कहता है? आप उन्हें दूँढने नहीं जा रहे हैं। जो तुम्हें नष्ट करना चाह रहे हैं, वे मिटने वाले हैं। आप उन्हें नहीं दूँढ सकते।

फिर श्लोक 15 और 16 में, राष्ट्रों के बारे में क्या? परमेश्वर राष्ट्रों का न्याय करने के लिए इस्राएल का उपयोग करने जा रहा है। यह एक ऐसा विषय है जिसे आप भविष्यवक्ताओं में बार-बार पाते हैं। नंबर एक, राष्ट्र तुम्हें अनुशासित करेंगे, परन्तु राष्ट्र स्वयं न्याय किये जायेंगे।

और अंत में, परमेश्वर राष्ट्रों का न्याय करने के लिए इस्राएल का उपयोग करने जा रहा है। परमेश्वर राष्ट्रों का न्याय करने के लिए आपका उपयोग करने जा रहा है। इसलिए, जब आप भविष्यवाणी साहित्य पढ़ते हैं, तो बस उस प्रवाह के प्रति सचेत रहें।

ईश्वर आपको अनुशासित करने के लिए शत्रु राष्ट्रों का उपयोग करेगा, लेकिन वे इससे मुक्त नहीं हो पाएंगे। वे उन्हीं नैतिक कानूनों के अधीन हैं जिनके अधीन आप हैं, और अंततः, जब वह आपको छुटकारा दिलाएगा, तो वह राष्ट्रों का न्याय करने के लिए आपका उपयोग करेगा। अब, एक चौथा विषय जो वास्तव में इस परिच्छेद में मौजूद नहीं है, लेकिन वह है जिसके बारे में आप राष्ट्रों को गवाही देंगे।

आप परमेश्वर और परमेश्वर के चरित्र के प्रमाण होंगे। और मुझे लगता है कि मैं यह कहना चाहूंगा कि आप राष्ट्रों के लिए गवाही देंगे क्योंकि हमारी अधिकांश सोच में यह आपकी गवाही से थोड़ा अलग है। हममें से अधिकांश के मन में गवाही का यह विचार है कि क्या आप ऊपर जाते हैं और किसी को नेकटाई से पकड़ लेते हैं और कहते हैं, क्या आप यीशु को जानते हैं? यशायाह के मन में यह बिल्कुल नहीं है, जैसा कि हम देखेंगे।

ठीक है, 17 से 20 तक एक कविता है, मुक्ति की कविता। आप वहां कैसा माहौल देख रहे हैं? जब आप उस कविता को पढ़ते हैं तो आपको क्या महसूस होता है? वहाँ क्या विचार और भावनाएँ हैं? भगवान उनकी जरूरतों को पूरा करने जा रहे हैं। वह उनकी आवश्यकताओं को किस प्रकार, किस स्तर पर पूरा करेगा? व्यक्तिगत रूप से, हाँ, हाँ।

प्रचुर मात्रा में, हुह? प्रचुर मात्रा में, हाँ। अति प्रचुर मात्रा में. ऊँचाइयों पर नदियाँ, घाटियों में सोते, जंगल को पानी का तालाब बनाते हैं, सूखी ज़मीन पर पानी के सोते बनाते हैं, जंगल में देवदार और बबूल और मेंहदी और जैतून, रेगिस्तान में सरो।

भगवान के आशीर्वाद की प्रचुरता और विशेष रूप से चीजों में से एक है पानी और उर्वरता। निःसंदेह, निकट पूर्व की प्राचीन दुनिया में ये अमूल्य वस्तुएँ थीं। तो वे कह रहे हैं, मैं मरी हुई लकड़ी हूँ।

मुझे काट दिया गया है, दूसरी भूमि पर ले जाया गया है, मैं एक मरी हुई लकड़ी हूँ, और भगवान कहते हैं, नहीं, तुम नहीं हो। मुझे समीकरण से बाहर मत छोड़ो. ठीक है, 21 से 29 में, हम मूर्तियों के खिलाफ तथाकथित मामलों में से पहले पर आते हैं।

अध्याय 41 और अध्याय 46 के बीच लगभग पांच बार, आपने भगवान को मूर्तियों के खिलाफ मामला पेश करते हुए देखा है। हम अध्याय 43 में दूसरा अध्याय देखने जा रहे हैं जिसे हम आज शाम को समाप्त करेंगे, या समाप्त करने के करीब पहुंचेंगे, लेकिन यह यहां है। तो, स्थिति को याद रखें.

भगवान हार गये. वह हमारे पापों से पराजित हुआ है। यह अध्याय कहता है, नहीं, नहीं।

आपके पाप उसके चुने हुए हैं। तुम उसके सेवक हो. तुम उसके दोस्त हो.

नहीं - नहीं। तुम्हारे पापों ने उसे पराजित नहीं किया है। ठीक है, यदि हमारे पापों ने उसे पराजित नहीं किया है, तो बेबीलोन की मूर्तियों ने उसे हरा दिया है, और हम यहाँ उस प्रश्न का समाधान कर रहे हैं।

भगवान देवताओं को अदालत में बुलाते हैं, और वह कहते हैं कि हम यह पता लगाने जा रहे हैं कि भगवान कौन है। तो, श्लोक 21, अपने ईश्वर को सामने लाओ, और तुम्हें पता चल जाएगा कि ईश्वर कौन है। अपना मामला सामने रखें, अपने सबूत लाएँ, उन्हें हमें लाने दीजिए।

अब, यहाँ बताया गया है कि उन्हें क्या करना है। हमें पहिली बातें बता, वा आनेवाली बातें हमें बता। अच्छा करो या नुकसान करो।

कुछ ऐसा करो कि हम निराश और भयभीत हो जाएँ। देख, जो तुझे चुनता है वह कुछ भी नहीं, और घृणित है। मैं ने उत्तर दिशा से एक को उभारा, और वह सूर्योदय से आया है, और मेरा नाम पुकारेगा।

वह शासकों को ओखली की तरह रौंदेगा, जैसे कुम्हार मिट्टी को रौंदता है। किसने आरम्भ से ही यह घोषित किया कि हम जानें, और पहले से ही कहें कि वह सही है? ऐसा कोई नहीं जिसने इसका प्रचार किया हो, कोई ऐसा नहीं जिसने इसका प्रचार किया हो, कोई ऐसा नहीं जिसने आपकी बातें सुनी हों। मैं ही पहिले ने सिंयोन से कहा, देख, वे यहां हैं, और मैं यरूशलेम को शुभ समाचार सुनाता हूँ।

लेकिन जब मैं देखता हूँ तो उनमें कोई नहीं है, कोई परामर्शदाता नहीं है, जो मेरे पूछने पर उत्तर देता हो। देखो, वे सब मिथ्या हैं, उनके काम व्यर्थ हैं, और उनकी धातु की मूरतें व्यर्थ हैं। तो, भगवान क्या कह रहा है कि वह चाहता है कि देवता क्या करें? वह चाहता है कि वे भविष्य की भविष्यवाणी करें।

हमें अतीत में कभी बताएं, पहले, जब आपने कोई विशिष्ट भविष्यवाणी की थी जो वास्तव में भविष्य में सच हुई थी। अब यहां कुछ और भी हो सकता है। मुझे लगता है वहाँ है।

मैं सोचता हूँ कि इस बात की भी व्याख्या हो सकती है कि दुनिया कहां से आई, और यह भी बताया जा सकता है कि जीवन का अंतिम लक्ष्य क्या है। अब यह काफी परिष्कृत है। देवता, जैसा कि मैंने आपको बार-बार बताया है, ब्रह्मांड की केवल मूर्त शक्तियां हैं।

सूर्य, चंद्रमा, सितारे, चंद्रमा, सितारे, जुनून, रोष, शक्ति, ये सभी चीजें। अच्छा, क्या सूर्य हमें बता सकता है कि वह कहाँ से आया है? बिल्कुल नहीं। क्या चंद्रमा हमें बता सकता है कि अंत क्या होगा? नहीं।

क्योंकि वे इस दुनिया का, इस ब्रह्मांड का हिस्सा हैं। इसी प्रकार, वे उस चीज़ की कल्पना करने में भी असमर्थ हैं जो अभी तक घटित नहीं हुई है। बुतपरस्त विश्वदृष्टि यह मानती है कि सब कुछ हमेशा एक जैसा है।

हम कहीं से नहीं आये हैं, और हम कहीं नहीं जा रहे हैं। ब्रह्मांड की उत्पत्ति में कोई उद्देश्य नहीं था, और इसके संचालन को जारी रखने में भी कोई उद्देश्य नहीं है। अब यह बुतपरस्त है, और यह बहुत, बहुत आधुनिक है।

सड़क पर व्यक्ति मूल रूप से इसी तरह काम करता है। जीवन कहीं से आया है, और यह कहीं नहीं जा रहा है, इसलिए अधिकतम आराम, आनंद और सुरक्षा के साथ यात्रा का आनंद लें। वहां बस इतना ही है।

तो, जो कुछ घटित हुआ है उसके आलोक में कौन अनुमान लगा सकता है कि क्या होने वाला है? केवल एक प्राणी जो इस घेरे से बाहर है। अंदर कोई भी आपको यह नहीं बता सकता कि यह कहाँ से आया है, इसका अस्तित्व क्यों है, या यह कहाँ जा रहा है। केवल बाहर का दृष्टिकोण रखने वाला कोई व्यक्ति ही कह सकता है, ओह, और विशेष रूप से यदि वह जो बाहर है वह निर्माता है।

और इसलिए वह कहता है, बस एक बार, हमें सबूत दो कि तुम्हारे भगवान ने विशेष रूप से भविष्य बताया था, और वैसा ही हुआ। अब, टिप्पणीकारों में से एक, एक बहुत प्रसिद्ध जर्मन टिप्पणीकार, कहता है, आप जानते हैं, यह उचित है, यह वास्तव में बहुत बुरा है। यशायाह पूरी तरह से अच्छी तरह से जानता है, या दूसरा यशायाह पूरी तरह से अच्छी तरह से जानता है, कि देवताओं ने हर समय भविष्य की भविष्यवाणी की थी, और फिर भी वह इस तरह का अतिशयोक्तिपूर्ण बयान देता है।

ठीक है, हाँ, देवताओं ने भविष्य की भविष्यवाणी की थी, जैसे जीन डिकसन ने भविष्य की भविष्यवाणी की थी, क्या वह आपको याद है? और वे हमेशा इसकी भविष्यवाणी काफी हद तक फर्जी तथ्य के साथ करते हैं कि जो कुछ भी होता है, वे सही थे। लेकिन भगवान ने विशेष रूप से निर्वासन की भविष्यवाणी की थी, अध्याय 39 याद है? मृतकों का निर्वासन. और उस ने कहा, अच्छा, बेबीलोन।

अश्वरू को निर्वासन? कहो नहीं। वनवास कहाँ? बेबीलोन. 701 ईसा पूर्व या उसके आसपास, उन्होंने विशेष रूप से बेबीलोन में निर्वासन की भविष्यवाणी की थी।

उस समय बेबीलोन महान असीरियन साम्राज्य का एक विद्रोही शहर था। असीरियन साम्राज्य को चलाने के लिए अगले 70 वर्ष थे, लेकिन भगवान कहते हैं कि बेबीलोन में निर्वासन। अब, निःसंदेह, लोगों ने दो कारणों से नहीं कहा।

नंबर एक, हम निर्वासन में नहीं जा सकते क्योंकि इसका मतलब होगा वादों का अंत, इसलिए ऐसा नहीं होने वाला है। नंबर दो, हम बेबीलोन में निर्वासन में नहीं जा रहे हैं क्योंकि बेबीलोन एक विश्व शक्ति नहीं है, इसलिए ऐसा नहीं होने वाला है। ऐसा किया था।

उन्होंने निर्वासन से वापसी की भी भविष्यवाणी की और उनकी प्रतिक्रिया भी वैसी ही थी। वे काफी सुसंगत थे. वनवास से कभी कोई नहीं लौटता।

इसका पूरा बिंदु यही है। निर्वासन उस संस्कृति को साम्राज्य की बड़ी संस्कृति में समाहित करना है। निर्वासन का उद्देश्य आपको एक विशिष्ट भाषा और एक विशिष्ट धर्म वाले विशिष्ट लोगों के रूप में नष्ट करना है।

इसलिए यदि हमें निर्वासन में जाना पड़ा, जो कि नहीं हो सकता, तो हमारे पास निर्वासन से वापस आने का कोई रास्ता नहीं है। और तीसरे नंबर पर, तुम्हारा उद्धारकर्ता कुसू नाम का एक फारसी है। कौन? साइरस महान।

साइरस महान एक फारसी था। क्या? कहाँ? भगवान कहते हैं, और इसीलिए मेरा मानना है कि दूसरे यशायाह पर विश्वास न करना महत्वपूर्ण है। आप देखिए, जो लोग दूसरे यशायाह में विश्वास करते हैं वे दो कारणों से इस पर विश्वास करते हैं।

नंबर एक, किसी के लिए 150 साल भविष्य में लोगों को लिखना असंभव है। और नंबर दो, किसी के लिए भी विशिष्ट भविष्यवाणी करना असंभव है। इसका मतलब है कि जिसने तब यह लिखा था वह झूठ बोल रहा था।

वह जानता था कि भगवान ने अतीत में इसकी भविष्यवाणी नहीं की थी, और उसने भविष्य की भविष्यवाणी करने की भगवान की क्षमता पर अपना पूरा मामला लटका दिया। वह झूठ नहीं बोलेगा। उस तर्क में कहीं न कहीं कुछ गड़बड़ है।

अब, यदि मैं ईश्वर की कृपा से स्वर्ग पहुँचता हूँ और दूसरे यशायाह से मिलता हूँ, तो मैं अपना टिकट नहीं लौटाऊँगा। लेकिन मुझे लगता है कि पुस्तक के तर्क की मांग है कि यह बहुत पहले लिखा गया था। ठीक है, तो यही तर्क है।

वही लटकाने के लिए बना है। ईश्वर दिखाता है कि आप ब्रह्मांड की केवल मूर्त शक्तियों से कहीं अधिक हैं। और जिस तरह से आप ऐसा करेंगे वह यह दिखा कर होगा कि अतीत में किसी समय आपने विशेष रूप से भविष्य की भविष्यवाणी की थी और वह घटित हुआ।

और वास्तव में, आप ऐसा नहीं कर सकते। परन्तु मुझ यहोवा ने यह किया है। यही मामला है।

इससे पहले कि हम आगे बढ़ें प्रश्न या टिप्पणियाँ? हाँ? हाँ, सर, कृपया। दो चीज़ें। क्या 4120 में संदर्भ, क्या यह साइरस का एक और संक्षिप्त संदर्भ है? बिल्कुल। बिल्कुल। हाँ। हाँ।

और जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते हैं, भविष्यवाणियाँ और अधिक विशिष्ट होती जाती हैं। जब हम अध्याय 44 पर पहुँचते हैं, तो वह उसका नाम लेता है और उसकी विजयों के बारे में बात करता है और इस प्रकार यह आगे बढ़ता है। और दूसरी बात, यहां हममें से कुछ लोग इससे चूक गए।

मूर्तियों के खिलाफ यह पहला मामला है। आप कहते हैं कि अध्याय 41 और 49 के बीच पाँच समय हैं? 46. 46.

धन्यवाद। ठीक है। अध्याय 41. क्षमा करें, 42. आइए पृष्ठ पलटें। हाँ।

ठीक है। मेरे दास को देख, जिसे मैं संभाले हुए हूँ, मेरे चुने हुए को, जिस से मेरा मन प्रसन्न है। ठीक है।

अब तक नौकर कौन रहा? इजराइल। राष्ट्र इजराइल। और उन लाभों पर जोर दिया गया है जो उन्हें मिलने वाले हैं।

भगवान उनके साथ रहेंगे। वह उनकी मदद करने जा रहा है। वह राष्ट्रों का न्याय करने के लिए उनका उपयोग करने जा रहा है।

वह उन्हें वितरित करने जा रहा है। तो, भगवान के सेवक होने के लाभ। अब इस नौकर को देखिये.

मुझमें उस पर अपनी आत्मा डालने की क्षमता है और वह आगे लाएगा... यह वह शब्द है जिसके बारे में हमने अतीत में बात की है। वह मिशपत को सामने लाएगा। जैसा कि मैंने पहले छह बार कहा है और जून से पहले एक दर्जन बार और कहूंगा, न्याय उस शब्द का बुरा अनुवाद नहीं है।

यह अभी पर्याप्त बड़ा नहीं है। क्योंकि अंग्रेजी में न्याय का मतलब केवल कानूनी समानता है। मिशपत का मतलब कानूनी इक्किटी से कहीं अधिक है।

इसका अर्थ है जीवन के लिए ईश्वर का दिव्य आदेश। क्या इसमें कानूनी इक्किटी शामिल है? बिल्कुल। क्या इसमें प्रतिशोध शामिल है? बिल्कुल।

क्या इसमें पुस्तकों को संतुलित करना शामिल है? बिल्कुल। लेकिन यह उन सब से कहीं अधिक है। तो यह सेवक दुनिया में भगवान की व्यवस्था को बहाल करने जा रहा है।

वह जोर से नहीं रोएगा, अपनी आवाज ऊंची नहीं करेगा या इसे सड़क पर नहीं सुनाएगा। वह कुचले हुए नरकट को नहीं तोड़ेगा। वह हल्की जलती हुई बाती को नहीं बुझाएगा।

वह ईमानदारी से मिशपत को सामने लाएगा। जब तक वह मिशपत की स्थापना नहीं कर लेता तब तक वह बेहोश या हतोत्साहित नहीं होगा। मुझे लगता है कि वह एक बात कहने की कोशिश कर रहे हैं।

पृथ्वी में और पृथ्वी के छोरों में, समुद्र तट। क्या? वे करते क्या हैं? इंतज़ार। इंतज़ार का मतलब क्या है? विश्वास।

और वे किसका इंतज़ार करते हैं? उनके निर्देश. उसका टोरा. उसकी वाचा कानून .

अब सवाल ये है कि ये नौकर कौन है? इन प्रथम चार श्लोकों के अनुसार इस सेवक को क्या लाभ मिलता है? यह सही है। कोई नहीं। कोई नहीं।

इस नौकर के बारे में क्या कहा जाता है? लक्ष्य। इस सेवक का एक मिशन है और मिशन पृथ्वी पर भगवान के मिशपत को पुनर्स्थापित करना है। क्या वह इस्राएल राष्ट्र है? अच्छा जवाब।

नहीं, तो प्रभु इस सेवक के बारे में क्या कहते हैं? श्लोक छह. भगवान इस सेवक से क्या कहते हैं? मैं ने तुम्हें धर्म से बुलाया है।

मैं किसलिए तुम्हारा हाथ पकड़ लूंगा? लोगों के लिए वाचा और राष्ट्रों के लिए ज्योति। इसराइल लोगों के लिए एक वाचा नहीं है. दरअसल, मैंने इसे विभिन्न संदर्भों में कहा है।

पुरानी वाचा टूट गई है और यह संतुष्टि की दुहाई देती है। भगवान, तुम्हें उन्हें मारना होगा। उन्होंने खून की कसम खाई थी कि वे उस वाचा का पालन करेंगे और उन्होंने उसे तोड़ दिया है।

तो भगवान, अगर आप सिर्फ हैं तो आपको उन्हें मारना ही होगा। और एक नई वाचा, जो पत्थर की पट्टियों पर नहीं बल्कि हमारे दिलों पर लिखी गई है, अनुसमर्थन की मांग करती है। इस नौकर का मिशन क्या होगा? लोगों के लिए एक वाचा.

किसी तरह इस नौकर को, इस नौकर को पुरानी वाचा को संतुष्ट करना होगा और एक नई वाचा की पुष्टि करनी होगी। अब मैं कल्पना कर सकता हूँ कि यशायाह अपना सिर खुजलाते हुए कह रहा है, हे भगवान, यह कैसे होगा? और भगवान कहते हैं बस लिखते रहो. अब श्लोक सात, जहां तक मेरा सवाल है, अंततः इसका निष्कर्ष निकालता है।

मैं आपसे अध्याय 61 को देखने के लिए कहता हूँ। अपनी उंगली वहां 42.7 पर रखें और पीछे मुड़कर 61 पर देखें। प्रभु परमेश्वर की आत्मा मुझ पर है।

ध्यान दें, मैंने अपनी आत्मा उस पर डाल दी है। 42.1 ने यही कहा है। क्योंकि प्रभु ने कंगालों को सुसमाचार सुनाने के लिये मेरा अभिषेक किया है।

उसने मुझे टूटे हुए दिलों को बांधने और बंदियों की आजादी का ऐलान करने के लिए भेजा है। आंखें खोलने के लिए, मैं एक श्लोक से दूसरे श्लोक में आगे-पीछे जा रहा हूँ, और जो लोग बंधे हुए हैं उनके लिए जेल खोल रहा हूँ। श्लोक सात, अंधी आंखें खोलने के लिये, और अन्धेरे में बैठे हुए कैदियों को कालकोठरी से बाहर निकालने के लिये।

यह इजराइल नहीं है. यह इजराइल इजराइल का उद्धार नहीं कर रहा है। यह कोई और नौकर है.

अब, एक अभ्यास जो मैं अपने विद्यार्थियों से करवाता हूँ, मुझे लगता है कि कैंडिस आज रात यहाँ नहीं है। कैंडिस सेमिनरी में मेरी यशायाह कक्षा का ऑडिट कर रही है। लेकिन एक अभ्यास जो मैं अपने विद्यार्थियों से करवाता हूँ वह है अध्याय 41 से 48 में नौकर के सभी संदर्भों को पढ़ना।

और उन्हें पता चला कि इस संदर्भ को छोड़कर सभी संदर्भ स्पष्ट रूप से राष्ट्र के लिए हैं। और वे परमेश्वर के सेवक होने के लाभों के बारे में बात करते हैं। वह तुम्हें बचाएगा, वह तुम्हारी देखभाल करेगा, वह तुम्हारी मदद करेगा, वह तुम्हारी रक्षा करेगा, आदि, आदि।

इस एक को छोड़कर उनमें से प्रत्येक, जो लाभ के बारे में एक शब्द भी नहीं कहता है लेकिन मिशन के बारे में सब कुछ कहता है। अब, मुझे विश्वास है कि अब क्या है, तो उनके पास एक और अभ्यास है। 49 से 55 में, वे वही काम करते हैं और वे कुछ खोजते हैं।

एक को छोड़कर सभी संदर्भ एक मिशन वाले सेवक के बारे में बात करते हैं और केवल एक संदर्भ राष्ट्र और उसके लाभों के बारे में बात करता है। वहाँ एक फ्लिप-फ्लॉप है। 41 से 48 तक, सभी सन्दर्भ राष्ट्र और एक सेवक होने से उसे मिलने वाले लाभों के बारे में हैं, केवल एक अपवाद को छोड़कर।

49 से 55 तक, सभी सन्दर्भ उस सेवक के हैं जिसका लोगों और दुनिया के लिए एक मिशन है, केवल एक को छोड़कर, जो कि राष्ट्र है, और लाभ के बारे में बात करता है। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे मैं इसके बारे में और अधिक बताऊंगा। ठीक है, तो, श्लोक 10, 11, 12, और 13 को देखें।

आप इसे क्या कहेंगे? वह कैसा साहित्य है? यह एक गाना है, हाँ, और किस चीज़ का गाना है? स्तुति करो, हाँ, हाँ। अब, क्या, यह एक सॉफ्टबॉल है, मुझे लगता है, तत्काल संदर्भ में प्रशंसा के उस गीत की क्या व्याख्या होगी? बिल्कुल। क्या वास्तव में? बिल्कुल, बिल्कुल।

स्तुति का यह गीत परमेश्वर के उद्धारकर्ता सेवक के रहस्योद्घाटन के कारण खुशी का गीत है। यहोवा के लिये एक नया गीत गाओ, पृथ्वी की छोर से उसकी स्तुति करो। हे समुद्र के तट पर जानेवालों, और जो कुछ उसमें भरा है, हे समुद्रतट और उसके रहनेवालों, मरुभूमि और उसके नगरोंमें से जयजयकार करो, और केदार के रहनेवाले गांवोंमें से जयजयकार करो, और सिला के निवासी आनन्द से जयजयकार करो।

वे पहाड़ों की चोटियों पर से जयजयकार करें, वे यहोवा की महिमा करें, और समुद्रतटों में उसका गुणगान करें। अब, भौगोलिक दृष्टि से, यह प्रशंसा कहाँ तक फैली हुई है? दुनिया भर में। अध्याय 42, 1 से 9 में कुछ ऐसा खुलासा किया गया है, जो सार्वभौमिक प्रशंसा का कारण है।

अब, हम पूछते हैं क्यों? यह एक उदाहरण यहाँ क्यों? और मुझे लगता है कि यह केवल हमें चर्चा से परिचित कराने के लिए है, कि हम यहां दो नौकरों के बारे में बात करने जा रहे हैं। इसे अभी ध्यान में रखें। हम वापस जा रहे हैं और सेवक इज़राइल के बारे में अगले आठ अध्यायों के बाकी हिस्सों पर बात करेंगे।

लेकिन बस याद रखें, वह एकमात्र नौकर नहीं है जिसके बारे में हमें यहां बात करनी है। मुझे लगता है यही हो रहा है। हमारे पास यह परिचय इसलिए है ताकि हम जान सकें कि क्या हो रहा है।

ठीक है। खैर, हमें आगे बढ़ना होगा। अध्याय 42, श्लोक 14 से 17।

क्या परमेश्वर निर्वासन से प्रसन्न था? नहीं, नहीं, श्लोक 14 को देखें।

परमेश्वर निर्वासन से प्रसन्न नहीं थे। मैं शांत रहा और खुद को नियंत्रित किया, लेकिन मैं अब और ऐसा नहीं कर सकता था। मुझे अपने इन बच्चों को प्रसव पीड़ित स्त्री की तरह जन्म देना है।

और वे कौन हैं? श्लोक 16. अंधा. हाँ।

हाँ। अंधा और बहरा। खो गया।

हाँ। हाँ। यहाँ तुम बहरे हो, देखो तुम अंधे हो।

मेरे नौकर के अलावा कौन अंधा है? या मेरा दूत जिसे मैं भेजता हूँ क्या वह बहरा है? आपको सब कुछ अंधे नौकरों और बहरे दूतों पर निर्भर करने के लिए अपने मामले के प्रति काफी आश्वस्त होना होगा। वह बहुत सी चीजें देखता है, निरीक्षण नहीं करता। उसके कान खुले हैं, वह सुनता नहीं।

यहोवा उसकी धार्मिकता के कारण उसके तोरा को बड़ा करने और उसे महिमामय बनाने से प्रसन्न हुआ। लेकिन यह उन सभी के लिए लूटा-खसोटा गया लोग हैं जो छेदों में फंसे हुए हैं, जेलों में छिपे हुए हैं। वे लूटे जाते हैं और कोई बचाने वाला नहीं होता, बिगाड़ देते हैं और कोई सुधारने वाला नहीं होता।

तो यहाँ फिर से, वह सेवक है जो दुनिया में ईश्वर का संदेश, राष्ट्रों के लिए उसका प्रकाश लाने वाला है। और फिर यह नौकर है जो रोशनी चालू होने पर भी बाहर निकलने का रास्ता नहीं ढूँढ पाता है। अब, श्लोक 24 और 25 एक महत्वपूर्ण बात बता रहे हैं।

इस्राएल को निर्वासन में कैसे जाना पड़ा? वे निर्वासन में क्यों गए? उन्हें निर्वासन में कौन ले गया? उन्होंने किया, हाँ. लेकिन 24 और 25 को देखें। यह क्या कह रहा है? प्रभु ने उन्हें निर्वासन में डाल दिया।

तुम्हें पता है, यशायाह, तुम मुक्ति के बारे में जो कुछ भी चाहते हो, उस पर दोषारोपण कर सकते हो, लेकिन देखो, बाबुल इतना मजबूत था कि हमें हमारी भूमि से बाहर खींच सकता था, हमारे शहर को नष्ट कर सकता था, और हमें जंजीरों में जकड़ सकता था। प्रभु इसके बारे में क्या करने जा रहे हैं? और यशायाह कहता है, क्या तुम नहीं समझते? बाबुल तुम्हें निर्वासन में नहीं ले गया। मैंने तुम्हें निर्वासन में भेज दिया।

और उसका क्या मतलब है? वह उन्हें बाहर निकाल सकता है. बिल्कुल। यदि बेबीलोन ने उनकी इच्छा के विरुद्ध उन्हें ले लिया होता, तो यह वास्तव में एक प्रतियोगिता होती।

मुझे आशा है कि शायद यहोवा बेबीलोन से थोड़ा अधिक शक्तिशाली है। लेकिन यह कोई प्रतियोगिता नहीं है. मैंने तुम्हें निर्वासन में भेज दिया है और जब भी मैं तैयार होऊंगा, तुम्हें बाहर निकाल लूंगा।

और बेबीलोन इसके बारे में कुछ नहीं कर सकता। अध्याय 40 याद रखें, सभी मांस हैं? घास। तो, अध्याय 43 श्लोक 1 में, यहाँ तीसरा आता है, डरो मत।

डर नहीं। क्यों? मैंने तुम्हें छुड़ा लिया है. हाँ।

मैं तुम्हारे साथ हूँ। मैं तुम्हारी मदद करूँगा। हे भगवान, भले ही आप मेरे साथ थे और मेरी मदद की, मैंने वास्तव में इसे गड़बड़ कर दिया।

आपकी मदद के बावजूद, मेरे साथ मौजूद होने के बावजूद मैं सड़क से हटकर खाई में चला गया। परमेश्वर कहता है, यह ठीक है, क्योंकि मैंने तुम्हें छुड़ा लिया है। पुस्तक के इस पूरे भाग में, इज़राइल के पवित्र व्यक्ति को आपका मुक्तिदाता कहा गया है।

बिल्कुल उत्कृष्ट जिसकी शक्ति किसी भी चीज़ या किसी अन्य से अतुलनीय है। वह जिसने स्वयं को आपको सौंप दिया है वह आपका मुक्तिदाता बनने में सक्षम और इच्छुक है। वो अच्छी खबर है।

मैं यहोवा हूँ, पद 3, मैं यहोवा तुम्हारा परमेश्वर, इस्राएल का पवित्र, तुम्हारा उद्धारकर्ता हूँ। अब संभवतः, जैसा कि मैंने पहले उल्लेख किया था, आपने पृष्ठभूमि में उल्लेख किया था, 3बी साइरस का संदर्भ है। मैंने तेरी छुड़ौती में मिस्र, और तेरे बदले कूश और शेबा को दे दिया।

असीरिया और बेबीलोन दोनों ने कुछ समय के लिए मिस्र पर विजय प्राप्त की थी, लेकिन टिके नहीं रह सके थे। फारस मिस्र पर कब्ज़ा करने वाला और फ़ारसी साम्राज्य के शेष इतिहास तक मिस्र पर नियंत्रण जारी रखने वाला पहला साम्राज्य था। तो यह संभवतः एक संदर्भ है, भगवान कहते हैं, हाँ, मैंने आपको मुक्त कराने के बदले में साइरस को ऐसा करने दिया।

डरो मत क्यों की मैं तुम्हारे साथ हूँ। इसलिए वह श्लोक 5, 6, और 7 में इस बारे में बात करता है कि वह उन्हें पृथ्वी के हर हिस्से से वापस बुलाएगा। मुझे यह महसूस करना होगा कि एक संबंध है कि ये वादे 539 में पूरी तरह से पूरे नहीं हुए थे।

मुझे नहीं लगता कि यहूदी पृथ्वी के सभी कोनों से वापस आये। मुझे लगता है कि वे हमारे जीवनकाल में ही पूरे हो गये हैं। जैसा कि मैंने आपसे पहले कहा था, इसका मतलब यह नहीं है कि मैं मानता हूँ कि इज़राइल की वर्तमान स्थिति वही है जो ईश्वर चाहता है।

वे 90% नास्तिक हैं, इसलिए हम अभी भी इन वादों की अंतिम पूर्ति की प्रतीक्षा कर रहे हैं, लेकिन मैं एक पल के लिए भी विश्वास नहीं करता कि इज़राइल की बहाली, 1880 या उसके आसपास शुरू हुई और वर्तमान तक जारी है, एक दुर्घटना है इतिहास का। मुझे लगता है कि यह बाइबिल की भविष्यवाणी की पूर्ति है। हाँ? 5, 6, और 7 मुख्य रूप से इज़राइल के बारे में है।

अब बाद में वह हममें से बाकी लोगों के बारे में बात करेंगे। ओह, मुझे लगता है कि ये हम सभी के लिए हैं। हां, भगवान के चरित्र के संदर्भ में और वह हमारे जीवन में और हमारे लिए क्या करना चाहता है, हां, मुझे लगता है कि वे वादे हम सभी के लिए हैं।

लेकिन 5, 6, और 7, आपके बंदियों को वापस लाने के बारे में विशेष बातें, मुझे लगता है कि यह विशेष रूप से इज़राइल के लिए है। ठीक है, अब हम इनमें से दूसरे मामले और बाइबल के शानदार अंशों में से एक, 43.8-13 पर आते हैं। उन लोगों को बाहर लाओ जो अन्धे हैं परन्तु आंखें रखते हैं, जो बहरे हैं परन्तु कान रखते हैं। मेरे गवाहों को बुलाओ।

आप कहना चाहते हैं, भगवान, यह थोड़ा जोखिम भरा है। सभी राष्ट्र एक साथ लोगों की सभा में इकट्ठे होते हैं। उनमें से कौन यह घोषित कर सकता है, यहाँ यह है, और हमें पिछली बातें दिखा सकता है? उन्हें अपने गवाह लाने दें, देवताओं को उन्हें सही साबित करने के लिए अपने गवाह लाने दें।

उन्हें सुनने और कहने दीजिए, यह सच है, ऐसा हुआ, ऐसा हुआ। मेरे लिए एक गवाह लाओ। यहोवा की यह वाणी है, तुम मेरे गवाह हो, और मेरे दास हो, जिन्हें मैं ने चुन लिया है।

भगवान ने उन्हें क्यों चुना? पद 10 के मध्य में, कि तुम जानो, और विश्वास करो, और समझो, क्या? और क्या आपको याद है पिछले हफ्ते हमने इसके बारे में बात की थी, मैं हूँ, मैं हूँ। ब्रह्माण्ड में कोई भी अन्य प्राणी ऐसा नहीं कह सकता। हममें से हर कोई अपने से बाहर किसी चीज़ पर निर्भर है।

हममें से हर कोई एक पुरुष और एक महिला के प्यार पर निर्भर है जो आज भी मौजूद है। हम पूरी तरह से हवा, भोजन और पानी पर निर्भर हैं। पिछले सप्ताह अधिकांश समय बीमार रहने के कारण, मुझे पुराने शरीर की सामान्य कार्यप्रणाली के प्रति नई सराहना मिली है।

कैसा अद्भुत है। जब तक कुछ गलत नहीं हो जाता तब तक हम उसके बारे में सोचते भी नहीं और फिर बहुत सोचते हैं। लेकिन यह वहाँ है।

मैं हूँ। मैं अपने अस्तित्व के लिए किसी और चीज़ पर निर्भर नहीं हूँ। बिल्कुल स्वतंत्र।

और इसलिये मैं ने तुम्हें चुना, कि तुम जान लो कि मैं कौन हूँ, और यह जानने से कि मैं कौन हूँ, मेरे जीवन में जीवन आ जाए। मुझसे पहले कोई ईश्वर नहीं बना, न मेरे बाद कोई ईश्वर होगा। मैं, मैं यहोवा हूँ और मेरे अलावा कोई उद्धारकर्ता नहीं है।

अब मैं अगले सप्ताह उस बारे में बात करना चाहता हूँ। यह एक बहुत ही विशिष्ट कथन है, है ना? मेरा मतलब वास्तव में अब, स्वर्ग के कई रास्ते हैं, है ना? आप ईसाईयों, क्या आपको लगता है कि आप ही एकमात्र लोग हैं? उस बारे में सोचना। मैंने घोषणा की और बचाया और घोषणा की।

मैंने तुमसे कहा था कि मैं क्या करने जा रहा था, अब मैं वह कर रहा हूँ। जब तुम्हारे बीच में कोई पराया देवता न था, और तुम मेरे गवाह हो, तो यहोवा की यही वाणी है, मैं ही परमेश्वर हूँ। और अब से मैं वह हूँ।

ऐसा कोई नहीं जो मेरे हाथ से छुड़ा सके। और मैं काम करता हूँ और इसे कौन वापस कर सकता है? क्या आप जानते हैं कि यीशु अपने स्वर्गारोहण के दिन यशायाह को उद्धृत कर रहे थे? तुम मेरे गवाह हो। अब फिर से, आप देखिए कि वह किस बारे में बात कर रहे थे।

वह इस बारे में बात नहीं कर रहा था, अब आप ही वे लोग हैं जिनके लिए मैं बाहर जाना चाहता हूँ और सड़क पर लोगों को पकड़ना चाहता हूँ। वह जो कह रहा है, मैं चाहता हूँ कि आपका जीवन ऐसा हो कि जब भी दुनिया मुझसे कहे, आप भगवान नहीं हैं, तो मैं पुकार सकूँ, इसका प्रमाण यहां है। आप मृतकों में से नहीं उठे, यह मेरा प्रमाण है।

मैंने आज ही कुछ पढ़ा है कि 40 साल पहले पापुआ न्यू गिनी की सबसे डरावनी जनजाति को बाइबिल दी गई है और वे अब पूरे द्वीप पर ईसाई नेता हैं। तुम मेरे सबूत हो। यही मुद्दा है।

जब आपके आस-पास हर कोई झूठ बोल रहा हो, तो आप मेरे गवाह हैं। जरूरी नहीं कि आपको खड़े होकर कहना पड़े, अच्छा मैं ईसाई हूँ, मैं सच कहता हूँ। लेकिन यह बस एक अचूक सबूत होगा कि आपके बारे में कुछ अलग है।

वह यहां यही कह रहा है। आप अंधे हो सकते हैं, आप बहरे हो सकते हैं, आप मूर्ख हो सकते हैं, लेकिन आप जानते हैं कि मैंने आपके जीवन में क्या किया है। और मैं आपसे बस इतना ही कहना चाहता हूँ कि जब आपको मौका मिले तो आप इसकी गवाही दें।

अब यहाँ बाइबिल अनुवाद पर सिर्फ एक शब्द है, यह मेरा पसंदीदा है। 43:13, किंग जेम्स संस्करण ने श्लोक के अंत में कहा, मैं काम करूंगा और कौन करने देगा। मैंने एक उपदेश सुना है कि क्या आप भगवान को काम करने देंगे? इसमें केवल एक ही समस्या है।

1613 में उस शब्द का अर्थ था रोकना। तो, यह ईएसवी बिल्कुल सही है। मैं काम करूंगा और इससे कौन पीछे हट सकता है?' हिब्रू यही कहता है।

इसलिए हमें आधुनिक अनुवादों की आवश्यकता है। शब्द बदल जाते हैं। ठीक है, यह मुफ्त है।

ठीक है, आगे बढ़ाओ। यहां हम बाइबिल के बीच में हैं। हम बाइबल के बीच में हैं।

चलो फिर शुरू करें। प्रभु, तुम्हारा उद्धारकर्ता, इस्राएल का पवित्र, यों कहता है। पद 15 में नीचे, प्रभु, आपका पवित्र, इस्राएल का निर्माता, आपका राजा।

अब तुम्हारा क्या विचार है? इस सन्दर्भ में इस्राएल के पवित्र की पुनरावृत्ति क्यों है? सुदृढीकरण। वह मुक्तिदाता है। इस्राएल के पवित्र को अपने उद्धारक में क्यों जोड़ें? केवल यह क्यों न कहें, मैं प्रभु, तुम्हारा उद्धारकर्ता हूँ? किसी ने कहा सुदृढीकरण।

यह एक अच्छा उत्तर है। और क्या कारण है कि संभवतः वह यहीं ढेर हो गया? ठीक है, मुक्ति में क्या शामिल होने वाला है उसका विस्तार। पवित्र के साथ वह रिश्ता।

गवाहों के नाम बताएं. यह इस्राएल के पवित्र लोग हैं। हमारे उद्धार में उनकी भूमिका.

हाँ, यदि वह पवित्र है, तो हमें भी पवित्र होना चाहिए। यह सही है। यह सही है।

यह इस बात को रेखांकित करने का एक तरीका है कि मैं कौन हूँ। वह एकमात्र पवित्र है. वहां कोई और नहीं है।

और इसलिए, वह जो चाहे वह करने की शक्ति और क्षमता रखता है। लेकिन भगवान का शुक्र है कि वह इज़राइल का पवित्र व्यक्ति है जिसने दुनिया के उद्धार के लिए खुद को लोगों के साथ जोड़ा है। तो, यह एक शक्तिशाली कथन है।

अब, मुझे आगे जो आता है वह पसंद है। श्लोक 16 से 20। यहोवा यों कहता है, जो समुद्र में मार्ग बनाता है, और विशाल जल में मार्ग बनाता है, जो रथ और घोड़े, सेना और योद्धा लाता है, वे लेट जाते हैं, वे उठ नहीं सकते, वे बुझ जाते हैं, जैसे बुझ जाते हैं एक बाती.

वह किस बारे में बात कर रहा है? मिस्र. मिस्र, पलायन. अब देखो आगे क्या होता है.

पहिली बातों को स्मरण न रखो, और न पुरानी बातों पर विचार करो। देखो, मैं एक नया काम करता हूँ, और अब वह प्रगट हो रहा है, क्या तुम्हें इसका बोध नहीं हुआ? मैं जंगल में रास्ता बनाऊंगा और रेगिस्तान में नदियाँ वगैरह बनाऊंगा। यदि ईश्वर उन्हें इसे भूल जाने के लिए कहना चाहता है तो वह उन्हें पलायन की याद क्यों दिलाता है? सही पर।

उस महिला को एक स्वर्ण सितारा दें। हाँ। हाँ।

याद रखें कि मैं किस तरह का भगवान हूँ, इसका प्रमाण मैंने अतीत में जो किया उससे पता चलता है। लेकिन भूल जाइए कि मैंने अतीत में क्या किया क्योंकि मुझमें बोरियत की सीमा बहुत कम है। इस बार मैं इसे अलग तरीके से करने जा रहा हूँ।

अब आप देखिए, हम इंसान इसे ठीक उसके सिर पर पलट देते हैं। हम भूल जाते हैं कि भगवान वास्तव में कौन है, लेकिन लड़के, क्या हमें याद है कि उसने यह कैसे किया। तुम्हें पता है, कोई परिवर्तित होने वाला है।

खैर, हम जानते हैं कि ऐसा कैसे होता है। यह एक इंजीलवादी सेवा में होता है, और जैसा मैं हूँ उसके 27 छंदों के साथ एक निमंत्रण दिया जाता है, और 27वें पद पर, यह व्यक्ति अंततः जाने देता है और गलियारे से नीचे गिर जाता है और वेदी पर गिर जाता है, और उन्हें होना ही है एक घुटने के बजाय दो घुटनों पर, और उन्हें रोना पड़ता है, और जब वे पूरी प्रार्थना कर लेते हैं, तो वे खड़े होते हैं और मोक्ष की गवाही देते हैं। इसी तरह से भगवान लोगों को बचाता है।

और भगवान कहते हैं, कभी-कभी. इधर भी ऐसा ही है। अरे वाह।

वह हमें छुड़ाने वाला है? ओह, हम जानते हैं कि वह ऐसा कैसे करने जा रहा है। हमारी महिलाओं में से एक को बच्चा होने वाला है, और वे उसे परात नदी में एक टोकरी में रखने जा रहे हैं, और बेबीलोनवासी उसे ढूँढने जा रहे हैं, और वे उसे प्रशिक्षित करने जा रहे हैं, और वह जा रहे हैं हमें छुड़ाओ, और जब हम जाने के लिए तैयार होंगे, तो फ़रात नदी दो भागों में विभाजित हो जाएगी, और हम... परमेश्वर कहते हैं, नहीं, मैंने ऐसा एक बार किया था। मुझे लगता है कि इस बार मैं एक बुतपरस्त सम्राट का उपयोग करूँगा जो मेरा नाम नहीं जानता।

भगवान, आप ऐसा नहीं कर सकते। घड़ी। घड़ी।

बहुत सुंदर। याद रखें कि आपने प्रकृति में मेरे चरित्र के बारे में क्या सीखा है, लेकिन यह भूल जाएं कि मैंने यह कैसे किया क्योंकि मैं एक नई चीज़ करने जा रहा हूँ। यहाँ फिर से, यह बहुत महत्वपूर्ण है।

भगवान नई चीज़ें नहीं कर सकते. आप कितनी जल्दी मान लेंगे कि सूर्य पश्चिम में उग आएगा? अपनी सांस मत रोको. प्रकृति बंद है.

प्रकृति स्वयंभू नहीं है। प्रकृति स्वतंत्र नहीं है. प्रकृति कुछ सिद्धांतों का पालन करती है, लेकिन ईश्वर, निर्माता, कुछ ऐसा कर सकता है जो पहले कभी नहीं हुआ।

बहुत खूब। क्या उसके और 42 के नए गीत के साथ कोई संबंध हो सकता है, यह एक नया है... और जब हम 55 वर्ष के हो जाएंगे तब हम इसे बजाने जा रहे हैं जब भगवान कहते हैं, मेरे तरीके तुम्हारे तरीकों से ऊँचे हैं। मेरे विचार आपके विचारों से ऊँचे हैं।

अब, नहीं, मेरी बात फल देने वाली है, लेकिन हे, इसे अपनी दिमागी शक्ति के अनुसार बांटने की कोशिश मत करो। आप इसका कभी भी पता नहीं लगा पाएंगे। हाँ? और यहाँ मेरी पंक्ति है.

यह एक और है जो कॉपीराइट नहीं है। आप इसे उद्धृत करने के लिए स्वतंत्र हैं। ईश्वर सदैव सुसंगत है, लेकिन उसका पूर्वानुमान कभी नहीं लगाया जा सकता।

ईश्वर सदैव सुसंगत है, लेकिन उसका पूर्वानुमान कभी नहीं लगाया जा सकता। हम चाहते हैं कि वह पूर्वानुमानित हो, इसलिए हम उसे एक बॉक्स में रख सकते हैं। हमें आश्चर्य पसंद नहीं है.

भगवान उनसे प्यार करते हैं. ठीक है, आइए देखें कि क्या हम इसे पूरा कर सकते हैं। हमारे पास दो मिनट हैं।

चलिए थोड़ा और इंतजार करते हैं। श्लोक 22 से 24 कठिन हैं। मैं यह बात एकदम सामने से कहूँगा।

हे याकूब, तू ने मुझे नहीं पुकारा, परन्तु हे इस्राएल, तू मुझ से थक गया है। तुम होमबलि के लिये अपनी भेड़ें मेरे पास नहीं लाए, और न अपने बलिदानों से मेरा आदर किया। मैंने तुम पर भेंटों का बोझ नहीं डाला, न लोबान से तुम्हें थकाया।

तू ने मेरे लिये न तो धन से मीठा गन्ना लाया, और न अपने बलिदानों की चर्बी से मुझे तृप्त किया, परन्तु तू ने मुझ पर अपने पापों का बोझ लाद दिया। तू ने मुझे अपने अधर्म के कामों से थका दिया है। अब, वहाँ क्या हो रहा है? इब्री जिस एक चीज़ में अच्छे थे वह बलिदान देना था।

उन्होंने ऐसा बहुत किया है, लेकिन भगवान कहते हैं, नहीं, तुमने ऐसा नहीं किया। इसके बजाय, तुमने मुझ पर अपने पापों का बोझ डाल दिया है और अपने अधर्म के कामों से मुझे थका दिया है। आपको क्या लगता है वह किस बारे में बात कर रहा है? दिल।

दिल। हाँ हाँ हाँ। तुमने मुझे वे सभी भेंटें दीं, परन्तु तुम्हारा मन उसमें नहीं था।

तुम अपने पापों और अधर्मों में जीते रहे और सोचा कि तुम मुझे ढेर सारा प्रसाद देकर मुझे क्षमा करा सकते हो। हां हां हां हां। बिल्कुल, बिल्कुल ठीक।

अहां। तुम अपने पापों और अधर्मों में जीते रहे। उन्होंने इसे थोड़ा और स्पष्ट रूप से कहा।

वहां उन्होंने कहा, इन्हें लाना बंद करो. यहाँ, वह कहता है, आपने यह नहीं किया है। हाँ।

हां हां हां। मैं विशेष रूप से कैथोलिक धर्म पर उंगलियां नहीं उठाना चाहता, लेकिन दुख की बात है कि ज्यादातर समय यह एक बहुत ही जादुई दृश्य रहा है। खैर, मैं कन्फेशन के लिए जाता हूं और अपनी माला कहता हूं और कम्युनिकेशन लेता हूं और अब सब कुछ ठीक है।

लेकिन अगर हम उन पर उंगलियां उठाते हैं, तो हमें खुद पर भी उंगलियां उठानी होंगी। और पॉल का भयावह बयान जिसके बारे में हम प्रोटेस्टेंटिज्म में कभी नहीं बोलते हैं, कई लोगों ने अयोग्य तरीके से शराब पीकर खुद को नुकसान पहुंचाया है। आखिरी बार आपने उस पर उपदेश कब सुना था? हां हां।

लेकिन यहाँ भगवान निष्कर्ष पर क्या कहते हैं, और यह एक अद्भुत निष्कर्ष है। मैं, मैं वह हूं जो तुम्हारे अपराधों को मिटा देता हूं। क्यों? मेरे अपने लिए.

तुम्हारे बलिदानों के कारण नहीं, तुम्हारे चढ़ावे के कारण नहीं, मेरे लिये। पुराना नियम, नया नियम। मुक्ति कृपा से है.

आज्ञाकारिता अनुग्रह की प्रतिक्रिया है। हम जो चाहते हैं उसे करने के लिए यह ईश्वर को वश में करने का कोई तरीका नहीं है। जो मेरे लिये तेरे अपराध मिटा देता है, मैं तेरे पापोंको स्मरण न करूंगा।

मुझे याद दिलाओ. आइये मिलकर बहस करें. अपना मामला सामने रखो ताकि तुम सही साबित हो सको।

तुम्हारे प्रथम पिता ने पाप किया और तुम्हारे मध्यस्थों ने मेरे विरुद्ध अपराध किया। इसलिये, मैं पवित्रस्थान के हाकिमों को अपवित्र करूंगा, और याकूब को सर्वनाश के लिये और इस्राएल को निन्दा करने के लिये सौंप दूंगा। मुझे लगता है कि विशेष रूप से ये श्लोक 22 से 28 यशायाह के समय के लोगों को संबोधित थे।

वह इस बारे में बात कर रहा है कि वहां क्या चल रहा है। और निर्वासन का परिणाम क्या होगा? क्योंकि वे परमेश्वर की निःशुल्क कृपा को स्वीकार करने और अपराध करना छोड़ने को तैयार नहीं हैं।

ठीक है। आप धैर्यवान रहे हैं. धन्यवाद।

चलिए प्रार्थना करते हैं। पिताजी, आपके शब्द के लिए धन्यवाद। आपने हमारे लिए जो अद्भुत सत्य रखे हैं, उनके लिए धन्यवाद। हे भगवान, हमारी मदद करें कि हम इस बात का जीवंत प्रमाण बनें कि एक ईश्वर है जो इस दुनिया में नहीं है और जो हमें पूरी तरह से बदलने में सक्षम है। आपके नाम पर, आमीन।

यह यशायाह की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. जॉन ओसवाल्ट हैं। यह सत्र संख्या 21, यशायाह अध्याय 42 और 43 है।